

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन – (SAARC)

[S samanyagyan.com/hindi/gk-saarc](http://samanyagyan.com/hindi/gk-saarc)

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क): (South Asian Association for Regional Cooperation (SAARC) GK in Hindi)

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) दक्षिण एशिया के आठ देशों का आर्थिक और राजनीतिक संगठन है। इस संगठन के सदस्य देशों की जनसंख्या (लगभग 1.5 अरब) है।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) का उद्देश्य:

संगठन का मुख्य उद्देश्य उपरोक्त क्षेत्रों से संबंधित सभी लोगों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक विकास प्राप्त करने के एक सामान्य लक्ष्य की दिशा में काम करना है। क्षेत्रीय एकीकृत कार्यक्रम निम्नलिखित पहलुओं को शामिल किया गया है:-

1. कृषि और ग्रामीण विकास
2. महिला, युवा और बच्चे
3. स्वास्थ्य और जनसंख्या गतिविधियाँ
4. विज्ञान और प्रौद्योगिकी और मौसम विज्ञान
5. पर्यावरण और वानिकी
6. मानव संसाधन विकास, और
7. ट्रांसपोर्ट

निम्नलिखित क्षेत्रों में कार्य समूह भी स्थापित किए गए हैं:

- जैव प्रौद्योगिकी
- सूचना व संचार तकनीक
- बौद्धिक संपदा अधिकार
- ऊर्जा
- पर्यटन

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) का संक्षिप्त विवरण:

सार्क (SAARC) का पूरा नाम	दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ – (South Asian Association for Regional Cooperation)
सार्क की स्थापना	8 दिसंबर 1985, ढाका (बांग्लादेश)
सार्क में सदस्य देशों की संख्या कुल देश	8
सार्क में प्रेक्षकों (Observers) की संख्या	9
सार्क का मुख्यालय	काठमांडू, नेपाल

दक्षिण एशिया के लिए सार्क उपग्रह का प्रक्षेपण	2017 में
सार्क के प्रथम महासचिव	अबुल अहसन (बांग्लादेश)
सार्क के वर्तमान महासचिव	एसाला रुवान वेराकोन (श्रीलंका) – 1 मार्च 2020 से पदग्रहण
सार्क में शामिल होने वाले अंतिम सदस्य	अफगानिस्तान (अप्रैल 2007)
अंतिम सार्क सम्मेलन	पाकिस्तान में 19वां सार्क सम्मेलन (रद्द)

सार्क में निम्नलिखित सदस्य राष्ट्र के नाम:

- अफगानिस्तान
- बांग्लादेश
- भूटान
- भारत
- मालदीव
- नेपाल
- पाकिस्तान
- श्री लंका

सार्क में सम्मिलित प्रेक्षक (Observers) के नाम:

- दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (SAU) – भारत
- दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय मानक संगठन (SARSO) – ढाका
- सार्क विकास निधि (एसडीएफ) – भूटान
- सार्क मध्यस्थता परिषद (SARCO) – पाकिस्तान

सार्क के पर्यवेक्षक (Observer States) देश

- ऑस्ट्रेलिया
- चीन
- यूरोपीय संघ
- ईरान
- जापान
- मॉरीशस
- संयुक्त राज्य अमेरिका
- कोरिया

सार्क में संभावित भविष्य के सदस्य: म्यांमार ने पर्यवेक्षक से एकीकृत सदस्य राज्य के लिए अपनी स्थिति को बढ़ाने का अनुरोध किया है। इसी तरह, तुर्की और रूस ने भी सदस्यता के लिए आवेदन किया है।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) का इतिहास:

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन का विचार पहली बार मई 1980 में किया गया था। उस समय तत्कालीन सात देशों के विदेश सचिव पहली बार अप्रैल 1981 में कोलंबो में मिले थे। क्षेत्रीय सहयोग के लिए पाँच प्रमुख क्षेत्रों की संभावना दर्ज की गई थी और बाद में समय के साथ अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भी जोड़ा गया था।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन की स्थापना तब की गई जब 8 दिसंबर 1985 को भारत या बांग्लादेश, मालदीव, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और पाकिस्तान के शासनाध्यक्षों द्वारा इसका घोषणापत्र औपचारिक रूप से अपनाया गया था।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के महासचिवों की सूची:

महासचिव का नाम	कार्यकाल	देश
अबुल अहसान	16 जनवरी 1985 से 15 अक्टूबर 1989 तक	बांग्लादेश
के. किशोर भार्गव	17 अक्टूबर 1989 से 31 दिसम्बर 1991 तक	भारत
इब्राहिम जाकी	01 जनवरी 1992 से 31 दिसंबर 1993 तक	मालदीव
यादव के. सिल्वल	01 जनवरी 1994 से 31 दिसंबर 1995 तक	नेपाल
नईम हसन	01 जनवरी 1996 से 31 दिसंबर 1998 तक	पाकिस्तान
निहाल रॉड्रिगो	01 जनवरी 1999 से 10 जनवरी 2002 तक	श्रीलंका
क्यू. ए. रहीम	11 जनवरी 2002 से 28 फरवरी 2005 तक	बांग्लादेश
चेन्जाइब डोराजी	01 मार्च 2005 से 29 फरवरी 2008 तक	भूटान
शील शर्मा	01 मार्च 2008 से 28 फरवरी 2011 तक	भारत
फाथिमथ सईद	01 मार्च 2011 से 11 मार्च 2012 तक	मालदीव
अहमद सलीम	12 मार्च 2012 से 28 फरवरी 2014 तक	मालदीव
अर्जुन बहादुर थापा	01 मार्च 2014 से 01 मार्च 2017 तक	नेपाल
अमजद हुसैन बी. सियाल	01 मार्च 2017 से 31 अप्रैल 2020	पाकिस्तान
एसाला रुवान वेराकोन	01 मार्च 2020 से वर्तमान	श्रीलंका

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) की संरचना:

सार्क की संरचना निम्नलिखित प्रकार से है:-

1. **परिषद** – यह सर्वोच्च नीति-निर्माण निकाय है। परिषद का प्रतिनिधित्व संबंधित सदस्य देशों के शासनाध्यक्षों द्वारा किया जाता है।
2. **मंत्रिपरिषद** – मंत्रिपरिषद में विदेश मंत्री शामिल होते हैं और वे आम तौर पर एक साल दो बार मिलते हैं।

मंत्रिपरिषद के कार्य- (i) नीति निर्धारण, (ii) क्षेत्रीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा करना, (iii) सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करना, और (iv) आवश्यकतानुसार अतिरिक्त तंत्र स्थापित करना आदि।

स्थायी समिति के कार्य- इसमें सदस्य देशों के विदेश सचिवालय शामिल हैं। स्थायी समिति के प्रमुख कार्य हैं:- (i) कार्यक्रमों की निगरानी और समन्वय स्थापित करना, (ii) वित्तपोषण के तौर-तरीकों से निपटना, और (iii) क्षेत्र के भीतर और बाहर सहयोग जुटाना आदि।

सचिवालय के कार्य- यह मंत्रिपरिषद द्वारा नियुक्त महासचिव के नेतृत्व में होता है। सचिवालय के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं: (i) सार्क द्वारा संचालित गतिविधियों का समन्वय और निष्पादन, (ii) सार्क बैठकों की निगरानी करना, (iii) SAARC और अन्य अंतर्राष्ट्रीय शिखर और मंचों के बीच एक संचार लिंक के रूप में कार्य करें आदि।

इसके अतिरिक्त सार्क में ओर अन्य तीन समितियाँ है जिनमें – **स्थायी समिति, प्रोग्रामिंग समिति, तकनीकी समिति** सम्मिलित है।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के सिद्धांत:

- संप्रभु समानता, क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता, अन्य राज्यों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों का सम्मान करें।
- इस तरह का सहयोग द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग का विकल्प नहीं होगा, बल्कि उनका पूरक होगा। ऐसा सहयोग द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दायित्वों के साथ असंगत नहीं होगा।

सार्क के विशेष निकाय – SAARC Specialized Bodies

सार्क के विशेष निकाय सार्क के सदस्य देशों द्वारा बनाए गए हैं और उनकी संरचना क्षेत्रीय केंद्रों से अलग बनाई गई है। प्रबंधन को सदस्य राज्यों के प्रतिनिधियों, मेजबान सरकार के विदेश मामलों के मंत्रालय द्वारा ध्यान में रखा जाता है। सार्क के विशेष निकाय की सूची इस प्रकार है:

1. सार्क मध्यस्थता परिषद (SARCO) – पाकिस्तान
2. सार्क विकास निधि (SDF) – भूटान
3. दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (SAU) – भारत
4. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय मानक संगठन (SARSO) – ढाका

सार्क मध्यस्थता परिषद (SARCO) – पाकिस्तान

25 अगस्त 2011 को सार्क मध्यस्थता परिषद की स्थापना की गई थी जिसका कार्यालय पाकिस्तान में वाणिज्यिक, औद्योगिक, व्यापार, बैंकिंग, निवेश और ऐसे अन्य विवादों के उचित और कुशल निपटान के लिए क्षेत्र के भीतर एक कानूनी ढांचा / मंच प्रदान करने के लिए अनिवार्य है। यह एक अंतर-सरकारी निकाय है।

सार्क विकास निधि (SDF) – भूटान

अप्रैल 2010 में 13 वें सार्क शिखर सम्मेलन के दौरान सार्क विकास निधि (SDF) की स्थापना की गई थी औपचारिक रूप से परियोजना-आधारित सहयोग के वित्तपोषण के प्राथमिक उद्देश्य से इसकी स्थापना की थी। सार्क विकास निधि एक बोर्ड द्वारा संचालित होता है जिसमें सदस्य राज्यों के वित्त मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। एसडीएफ की संचालन परिषद (एमएस के वित्त मंत्री) बोर्ड के कामकाज की देखरेख करते हैं।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय मानक संगठन (SARSO) – ढाका

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय मानक संगठन (SARSO) का बांग्लादेश के ढाका में अपना सचिवालय है। यह मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन के क्षेत्रों में सार्क सदस्य राज्यों के बीच समन्वय और सहयोग को प्राप्त करने और बढ़ाने के लिए स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के लिए अंतर-क्षेत्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और वैश्विक बाजार में पहुंच बनाने के लिए सामंजस्यपूर्ण मानक विकसित करना है।

दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (SAU) – भारत

दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (SAU) एक अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय है, जो भारत में स्थित है। SAU द्वारा दिए गए डिग्री और प्रमाणपत्र राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों / संस्थानों द्वारा दिए गए संबंधित डिग्री और प्रमाणपत्र के बराबर हैं।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के नवीनतम अपडेट (2021) – South Asian Association for Regional Cooperation (SAARC) Latest updates (2021)

जनवरी 2021 में, विदेश मंत्रालय, भारत ने घोषणा की है कि स्वदेशी तौर पर निर्मित कोविड टीकों को चरणबद्ध तरीके से सार्क के सदस्य देशों को आपूर्ति की जाएगी।

1. विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अनुदान सहायता के तहत सार्क देशों को COVID-19 टीके की आपूर्ति करेगा।
2. हाल ही में SAARC सदस्य देशों ने समूह की लंबित शिखर बैठक की मेजबानी करने के पाकिस्तान के प्रस्ताव को ठुकरा दिया।
3. भारत को COVID-19 इमरजेंसी फंड शुरू करने के प्रस्ताव का सार्क देशों द्वारा सकारात्मक स्वागत किया गया। कुछ ही दिनों में, पाकिस्तान को छोड़कर सभी देशों ने स्वेच्छा से इसमें योगदान दिया।

सार्क संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य: (Important facts about SAARC in Hindi)

1. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) की स्थापना 08 दिसम्बर 1985 को हुई थी।
2. इसका सचिवालय काठमांडू (नेपाल) में है।
3. सार्क के 8 सदस्य देश हैं। इसके सदस्यों में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव एवं अफगानिस्तान शामिल हैं।
4. बांग्लादेश के अबुल अहसान सार्क के पहले महासचिव थे, जिनका कार्यकाल 16 जनवरी, 1987 से 15 अक्टूबर 1989 तक था।
5. मालदीव की फातिमा धियाना सईद सार्क की पहली महिला महासचिव थीं।
6. भारत की ओर से किशोर कांत भार्गव (वर्ष 1989-1991) तथा शील कांत शर्मा (वर्ष 2008-2011) सार्क के महासचिव के रूप में कार्य कर चुके हैं।

7. सार्क का प्रथम सम्मेलन ढाका में दिसम्बर 1985 में हुआ था।
8. प्रत्येक वर्ष 08 दिसम्बर को सार्क दिवस मनाया जाता है।
9. वर्ष 2007 से पहले सार्क के सात सदस्य थे।
10. अप्रैल 2007 में संघ के 14 वें शिखर सम्मेलन में अफ़ग़ानिस्तान इसका आठवा सदस्य बना था।
11. संगठन का संचालन सदस्य देशों के मंत्रिपरिषद द्वारा नियुक्त महासचिव करते हैं, इनकी नियुक्ति 3 साल के लिए देशों के वर्णमाला क्रम के अनुसार की जाती है।
12. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग पर इस घोषणा को 1983 में नई दिल्ली में विदेश मंत्रियों द्वारा अपनाया गया था।